Title: Need to release funds to the Government of Uttar Pradesh for enabling settlement of dues to sugarcane growers in the State. − Laid.

*** श्रीमती जयाप्रदा (रामपुर):** अध्यक्ष महोदय, देश में गत वर्षों से लगातार चीनी का उत्पादन कम होता आ रहा है। इसके कारण चीनी के उपभोक्ता मूल्य में वृद्धि होती जा रही है। गत छः माह के दौरान चीनी 13 रूपया से 16 रूपया प्रति किलो पहुंच गयी है। दूसरी ओर उत्पादन में भी कमी आती जा रही है। 2003-2004 में चीनी 140 लाख टन उत्पन्न की गयी है जबकि 2002-2003 में 201 लाख टन थी। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश में 2002-2003 में 56 लाख टन चीनी उत्पन्न की गयी थी, जो 2003-2004 में केवल 46 लाख टन रह गयी, जबकि उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक गन्ना उत्पादक प्रदेश है। चीनी पिरायी उद्योग की इस अस्थिरता का सबसे बुरा प्रभाव गन्ना उत्पादन किसानों पर होता है, उन्हें दोनों प्रकार से हानि सहनी पड़ती है। अधिक उत्पादन खेतों में जलाना पड़ता है और कम उत्पादन उनका बकाया, चीनी मिलों पर बन जाता है। उत्तर प्रदेश के गन्ना उत्पादक किसान का आज भी सैंकड़ों करोड़ रूपया चीनी मिलों पर बकाया पड़ा है।

अतः मेरा आग्रह है कि सरकार तत्काल 522 करोड़ रूपया, जो उत्तर प्रदेश के लिये निर्धारित है, रिलीज करे ताकि गन्ना उत्पादकों को उनका भुगतान चीनी मिलों द्वारा हो जाये।

*** Treated as laid on the Table**